हल्दीघाटी की माटी

हल्दीघाटी की माटी
मेरे माथे का चंदन है।
इस माटी ने वीर जने हैं
इसका तो अभिनंदन है॥ 2
मेरे हाथों में यह माटी
स्वर्ग दिखाई जन्नत है।
महाराणा प्रताप बनू मैं
देश की खातिर मन्नत है। 2
स्वर्ग से सुंदर हल्दी घाटी
माटी मेरी छाती है॥
बार-बार में गले लगाऊं
इसका ही अभिनंदन है। 2
हल्दीघाटी की माटी
मेरे माथे का चंदन है॥
यह माटी है मेरे देश की
सीख मुझे यह देती है
मंदिर - मस्जिद से बढ़कर यह
माटी मेरी चंदन है। 2
कहे मानवी इस माटी की
सीख मुझे प्रताप की
सदा रहे यह दिल में अपने
ऐसा अपना बंधन है। 2
हल्दीघाटी की माटी
मेरे माथे का चन्दन
इसका ही अभिनंदन है॥ 2

विनोद मानवी